सोमालिया में बाढ़

प्रिलिम्स के लिये:

सोमालिया में बाढ़, मानवीय मामलों के समन्वय के लिये संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (OCHA), **बाढ़**, **अल नीनो**, **हिंद महासागर द्विध्रुव**

मेन्स के लिये:

सोमालिया में बाढ़, वायुमंडलीय परिसंचरण और मौसम प्रणाली

स्रोत: द हिंदू

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **मानवीय मामलों के समन्वय के लिये संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (OCHA)** ने ऐतिहासिक सूखे के बाद सोमालिया और पूर्वी अफ्रीका के पड़ोसी देशों में हज़ारों व्यक्तियों को बेघर करने वाली **बाढ़** को सदी में एक बार होने वाली घटना के रूप में वर्णित किया है।

- सोमालिया में बाढ़ का मुख्य कारण अत्यधिक वर्षा को बताया गया है, जो **अल नीनो तथा हिंद महासागर द्विध्रुव जैसी जलवायु घटनाओं** के कारण और बढ़ गई है।
- इसका प्रभाव केवल सोमालिया तक ही सीमित नहीं है; इससे पड़ोसी देश केन्या भी प्रभावित हुआ है, मरने वालों की संख्या 15 तक पहुँच गई है और मोम्बासा, मंडेरा तथा वजीर जैसे क्षेत्रों को बाढ़ के कारण गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

मानवीय मामलों के समन्वय के लिये कार्यालय (OCHA) क्या है?

- OCHA संयुक्त राष्ट्र सचिवालय का हिस्सा है, जिस पर आपात स्थिति में सुसंगत प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिये **मानवीय अभिकर्त्ताओं को एक साथ लाने की ज़िम्मेदारी है।**
- OCHA यह भी सुनिश्चित करता है कि एक रूपरेखा हो जिसके अंतर्गत प्रत्येक अभिकर्त्ता समग्र प्रतिक्रिया प्रयास में योगदान दे सके।

अल नीनो क्या है?

//

अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ENSO)

- **ENSO:**
  - पूर्व-मध्य भूमध्यरेखीय प्रशांत में महासागर और वायुमंडल के बीच तापमान में उतार-चढ़ाव का वर्णन करता है
- **महत्त्व:**
  - वैश्विक वायुमंडलीय परिसंचरण को बदलने की क्षमता, दुनिया भर में तापमान और वर्षा को प्रभावित करती है
- **ENSO के चरण:**
  - **दो विपरीत चरण:** अल नीनो और ला नीना
  - **निरंतरता का मध्य:** तटस्थ

वॉकर परिसंचरण (WC)

- भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में वायु प्रवाह की एक वायुमंडलीय प्रणाली
  - उष्णकटिबंधीय प्रशांत में व्यापारिक हवाएँ पूर्व से पश्चिम की ओर बहती हैं: हवा पश्चिमी प्रशांत के गर्म पानी से ऊपर उठती है तथा ऊँचाई पर पूर्व की ओर बहती है और पूर्वी प्रशांत पर इसका अवरोहण होता है
- WC और ENSO:
  - एक कमजोर/रिवर्स WC एल नीनो उत्पन्न करता है
  - ला नीना मजबूत WC का परिणाम है

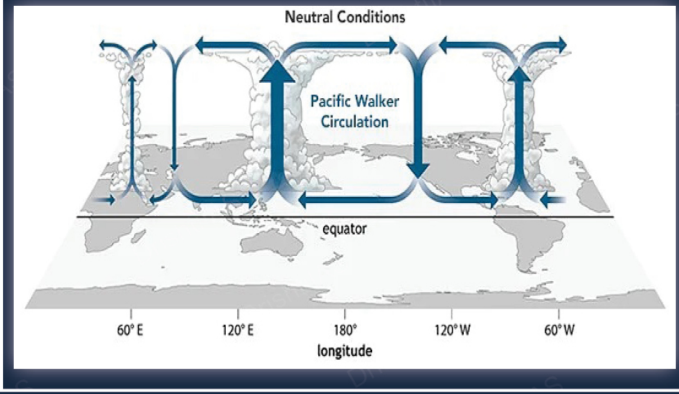

प्रशांत महासागर में सामान्य (गैर ENSO) स्थितियाँ

- व्यापारिक हवाएँ (पूर्वी हवाएँ) भूमध्य रेखा के साथ पश्चिम की ओर बहती हैं, जो दक्षिण अमेरिका से एशिया की ओर गर्म पानी को लेकर आती हैं।
- उस गर्म पानी को प्रतिस्थापित करने के लिए, ठंडा पानी गहराई से ऊपर की ओर आता है, जिसे अपवेलिंग कहते हैं
  - अल नीनो और ला नीना दो जलवायु पैटर्न हैं जो इन सामान्य स्थितियों को विराम देते हैं।
  - अल नीनो के दौरान, समुद्र में दबाव पूर्वी प्रशांत में कम और पश्चिमी प्रशांत में अधिक होता है जबकि ला नीना के दौरान विपरीत होता है।
  - पूर्वी और पश्चिमी उष्णकटिबंधीय प्रशांत के बीच वायुमंडलीय दबाव में इस दृश्य को दक्षिणी दोलन (SO) कहा जाता है।

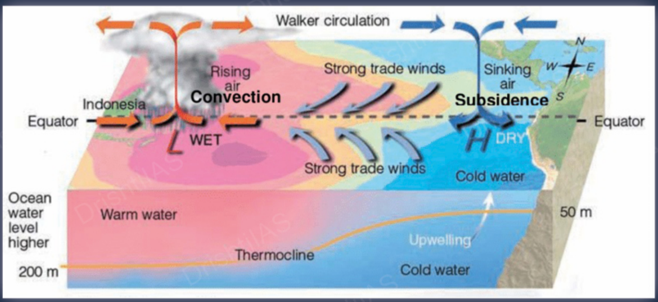

हिंद महासागर द्विध्रुव (IOD) क्या है?

- **IOD और भारतीय नीनो:**
  - IOD, जिसे **भारतीय नीनो** भी कहा जाता है, **अल नीनो के समान ही एक घटना है** जो पूर्व में इंडोनेशियाई और मलेशियाई तटरेखा तथा पश्चिम में सोमालिया के पास अफ्रीकी तटरेखा के बीच हिंद महासागर के अपेक्षाकृत छोटे क्षेत्र में घटित होती है।
    - अल नीनो, अल नीनो दक्षिणी दोलन ((ENSO) घटना का सामान्य से अधिक गर्म चरण है, जिसके दौरान भारत सहित विश्व के कई क्षेत्रों में सामान्यतः गर्म तापमान और सामान्य से कम वर्षा होती है।
  - भूमध्य रेखा के साथ समुद्र का एक किनारा दूसरे की तुलना में गर्म हो जाता है।
  - IOD को सकारात्मक तब कहा जाता है जब हिंद महासागर का पश्चिमी भाग,**सोमालिया तट के पास, पूर्वी हिंद महासागर की तुलना में अधिक गर्म हो जाता है।**
  - जब पश्चिमी हिंद महासागर ठंडा होता है तो यह नकारात्मक होता है।
- **तंत्र:**
  - **तटस्थ चरण:**
    - हिंद महासागर बेसिन में वायु का संचार **पश्चिम से पूर्व की ओर होता है**, यानी अफ्रीकी तट से इंडोनेशियाई द्वीपों की ओर, सतह के पास और ऊपरी स्तर पर विपरीत दिशा में। इसका अर्थ है कि हिंद महासागर में सतही जल ला प्रवाह पश्चिम से पूर्व की ओर होता है।

- एक सामान्य वर्ष में इंडोनेशिया के पास पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में गर्म जल हिंद महासागर में मिल जाता है और **हिंद महासागर के उस हिस्से को थोड़ा गर्म कर देता है।** इससे वायु ऊपर की ओर उठती है तथा प्रचलित वायु परिसंचरण में मदद मिलती है।

◦ **नकारात्मक IOD:**
- उन वर्षों में जब वायु परिसंचरण मज़बूत हो जाता है, अफ्रीकी तट से अधिक गर्म सतही जल इंडोनेशियाई द्वीपों की ओर धकेल दिया जाता है, जिससे वह क्षेत्र सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इससे गर्म वायु ऊपर की ओर उठती है और चक्र खुद को मज़बूत करता है।
- यह नकारात्मक IOD की स्थिति है।

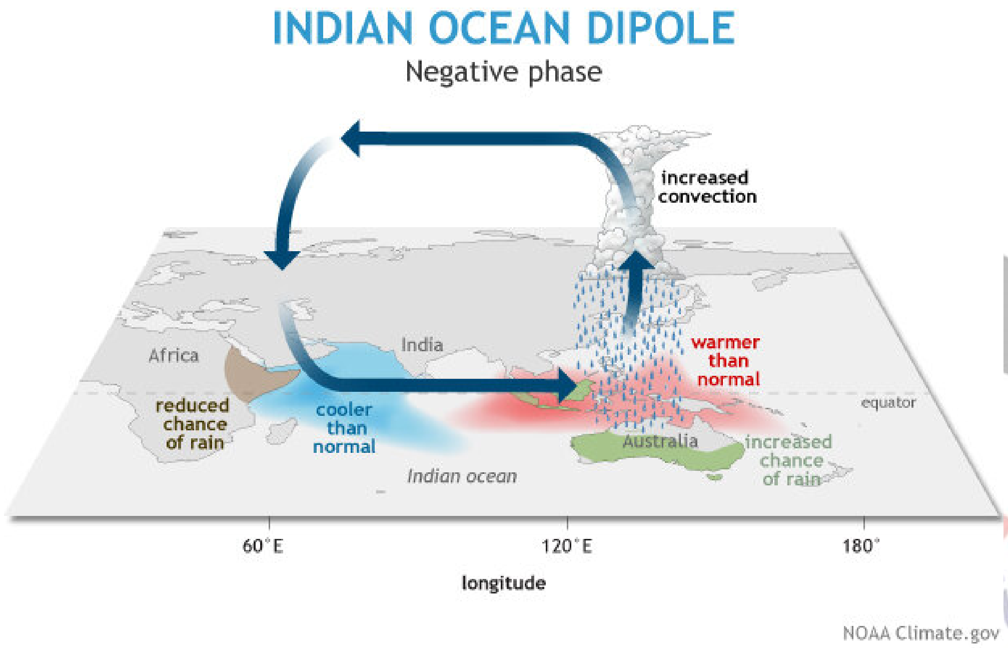

▪ **सकारात्मक IOD:** इस स्थिति में वायु परिसंचरण सामान्य से थोड़ा कमज़ोर हो जाता है। कुछ दुर्लभ मामलों में वायु परिसंचरण की दिशा भी उलट जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि अफ्रीकी तट गर्म हो जाता है, जबकि इंडोनेशियाई तट ठंडा हो जाता है।
- सकारात्मक IOD को अक्सर अल नीनो के समय विकसित होते देखा जाता है, जबकि नकारात्मक IOD कभी-कभी ला नीना से संबंधित होता है।
- अल नीनो के दौरान इंडोनेशिया का प्रशांत क्षेत्र सामान्य से अधिक ठंडा हो जाता है जिसके कारण हिंद महासागर का क्षेत्र भी ठंडा हो जाता है। इससे सकारात्मक IOD को विकसित होने में सहायता मिलती है।

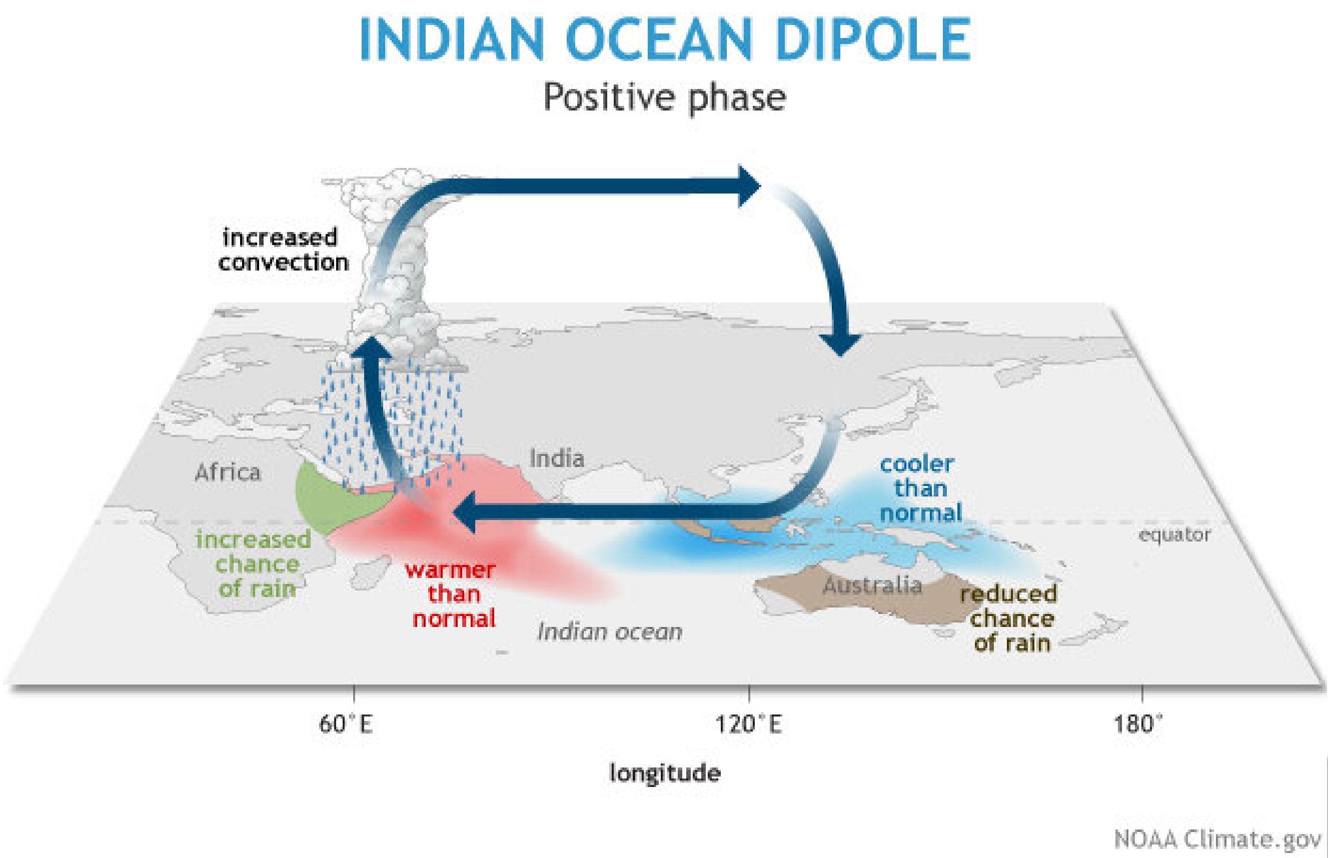

- **IOD का प्रभाव:**
  - हदि महासागर में IOD एक महासागर-वायुमंडलीय संपर्क प्रदर्शति करता है जो **प्रशांत महासागर** में अल नीनो घटनाओं के दौरान देखे गए उतार-चढ़ाव से काफी मलिता-जुलता है। हालाँकि अल नीनो की तुलना में IOD कम शक्तशाली होता है, जसिके परणिामस्वरूप अपेक्षाकृत कम प्रभाव पड़ता है।
  - एक सकारात्मक IOD पूरे भारतीय उपमहाद्वीप और अफ्रीकी तट पर वर्षा को प्रोत्साहति करता है, जबक िइंडोनेशयाि, दक्षणि-पूर्व एशयाि तथा ऑस्ट्रेलयाि में वर्षा की मात्रा को कम करता है। जब IOD नकारात्मक होता है, तो वपिरीत प्रभाव होते हैं।

सोमालयाि के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **स्थान:**
  - सोमालयाि **अफ्रीका के हॉर्न** में स्थति है, जसिकी सीमा उत्तर में **अदन की खाड़ी,** पूर्व में हदि महासागर, पश्चमि में केन्या और इथयोपयाि तथा उत्तर-पश्चमि में जबि्ूती से लगती है।
- **राजधानी :**
  - मोगादशि्ू सोमालयाि की राजधानी और सबसे बड़ा शहर है।
- **क्षेत्र:**
  - देश में **शुष्क मैदानों, पठारों, उच्चभूमयिों और पर्वत शृंखलाओं** सहति ववििध परदिृश्य हैं।
  - सोमालयाि के उत्तरी भाग में गॉलसि पर्वत शामलि हैं, जबक िदक्षणिी क्षेत्र में सवाना और घास के मैदान हैं।
- **जलवायु:**
  - सोमालयाि गरम तापमान तथा सीमति वर्षा के साथ **मुख्य रूप से शुष्क से अर्द्ध-शुष्क जलवायु** का अनुभव करता है। हदि महासागर के प्रभाव के कारण इसके तटीय क्षेत्रों की जलवायु अधकि मध्यम है।
- **द्वीप:**
  - सोमालयाि के तट पर कई द्वीप स्थति हैं, जनिमें बाजुनी एवं सोकोट्रा द्वीप समूह शामलि हैं, जसिमें सोकोत्रा, अब्द अल कुरी व सामहा जैसे द्वीप शामलि हैं। हालाँक िसोकोट्रा द्वीपसमूह का प्रशासन यमन द्वारा कयाि जाता है।

YEMEN
ERITREA
DJIBOUTI
ETHIOPIA
SOMALIA
KENYA
Gulf of Aden
Raas Caseyr
Point Xaafuun
Surud Ad
7,894 ft.
GUBAN
GALGODON MTS.
CAL MADOW MTS.
KAR KAR MOUNTAINS
DHAROOR VALLEY
Jaceyl
NUGAALEED VALLEY
Eyl
HAUD
Shabeelle
BENADIR
Jubba
LAG BADANA NATIONAL PARK
INDIAN OCEAN
Equator
40°
45°
50°
55°
10°
5°
0°
0 150 300 mi
0 200 400 km
© 2012 Encyclopædia Britannica, Inc.

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

[illegible]:

प्रश्न. भारतीय मानसून का पूर्वानुमान करते समय कभी-कभी समाचारों में उल्लखिति 'इंडयिन ओशन डाइपोल (IOD)' के संदर्भ में नम्निलखिति कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2017)

1. IOD परघिटना उष्णकटबिंधीय पश्चमिी हदि महासागर एवं उष्णकटबिंधीय पूर्वी प्रशांत महासागर के बीच सागर-पृष्ठ के तापमान के अंतर से वशिषति होती है।
2. IOD परघिटना मानसून पर अल-नीनो के असर को प्रभावति कर सकती है।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

[illegible]:

प्रश्न. असामान्य जलवायवी घटनाओं में से अधकिांश अल-नीनो प्रभाव के परणिाम के तौर पर स्पष्ट की जाती हैं। क्या आप सहमत हैं? **(2014)**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/flood-in-somalia